

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 3

Pritesh Joshi



नेता और अनुयायी :- ✓

✗ अंग्रेजों से लौहा लेने के लिए नेतृत्व और संगठन जरूरी था। ✓ ✓

✗ विद्रोहियों ने ऐसे लोगों की शरण ली जो अंग्रेजों से पहले नेताओं की भूमिका निभाते थे। जिन्हें अंग्रेजों ने उखाड़ फेंका था। ✓

जैसे - मेरठ के सिपाहियों ने दिल्ली पहुंच कर मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को नेतृत्व स्वीकार करने के लिए मना लिया। ✓ ✓

अंग्रेज

✍ कानपुर में पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहब को नेता बनाया।

✍ झाँसी - रानी लक्ष्मीबाई

✍ अवध (लखनऊ) - नवाब वाजिद अली शाह के पुत्र बिरजिस कदर और बेगम हजरत महल

✍ आरा (बिहार) - जमींदार कुंवर सिंह

✍ इन विस्थापित शासकों में से अधिकांश स्थानीय लोगों के दबाव के कारण और कुछ अपने स्वयं के उत्साह के कारण विद्रोह में शामिल हुए थे।

✓
कुछ अन्य स्थानों पर स्थानीय नेता या धार्मिक नेता
सामने आ चुके थे।

जैसे - छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम के एक आदिवासी
काश्तकार गोनु ने कोल आदिवासियों का नेतृत्व
संभाला था।

Q. 1857 के विद्रोह में मुख्य नेतृत्वकर्ता
के बारे में बताइए एवं उनकी

5 भूमिका स्पष्ट करें ?

स्थान	नेता
सागी	बहमीबाई
दिल्ली	जफर

Q. 1857 के विद्रोह के दौरान
कौनसी उपबाहें फँस चुकी थी?



1757
↓
1857

अफवाहें और भविष्यवाणियाँ -

✍ कई तरह की अफवाहों और भविष्यवाणियों के जरिए लोगों को उठ खड़ा होने के लिए उकसाया जा रहा था।

जैसे :

1. गाय व सुअर की चर्बी का लेप लगे हुए कारतूस।
2. अंग्रेजों ने बाजार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरु मिलवा दिया।
3. अंग्रेज हिंदुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते हैं।

4. भविष्यवाणी : प्लासी के युद्ध के 100 साल पूरे होते ही 23 जून 1857 को अंग्रेजी राज खत्म हो जायेगा।

इन अफवाहों और भविष्यवाणियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक कारण प्रदान किये।

कमल - रोटी

अफवाहों पर लोग वो विश्वास
क्यों कर रहे हैं ?



1820 - लॉर्ड विलियम बेंटिंक

Pg 265

+ राजाओं
का निष्कासन

पाश्चिमी
शिक्षा

पाश्चिमी
विचार

पाश्चिमी
संस्थाएँ

समाज को सुधारने
का प्रयास

लोग - " हम जिसको पवित्र मानते हैं, वो
ही खत्म कर देते हैं अंग्रेज ॥

विदेश

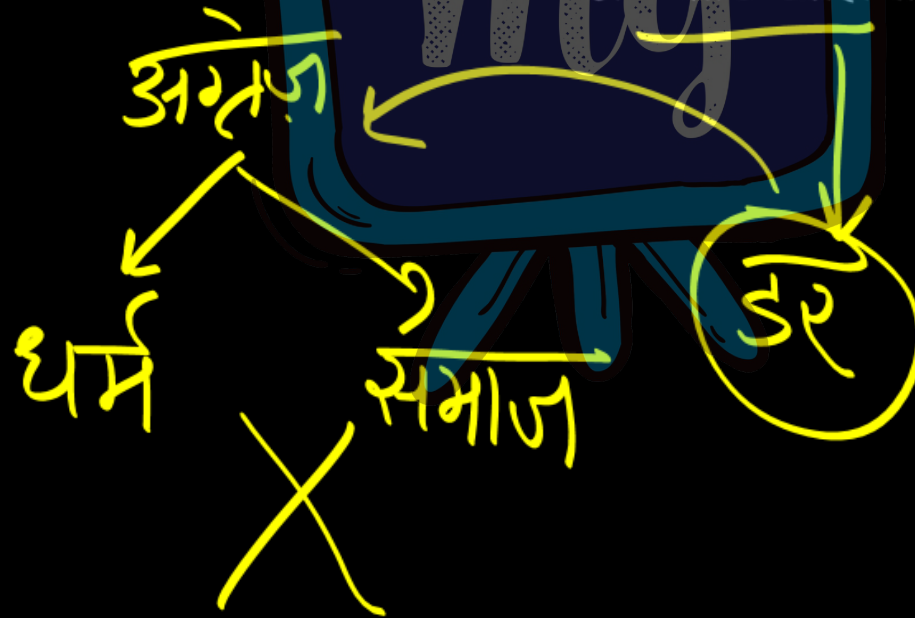
ऐनिक

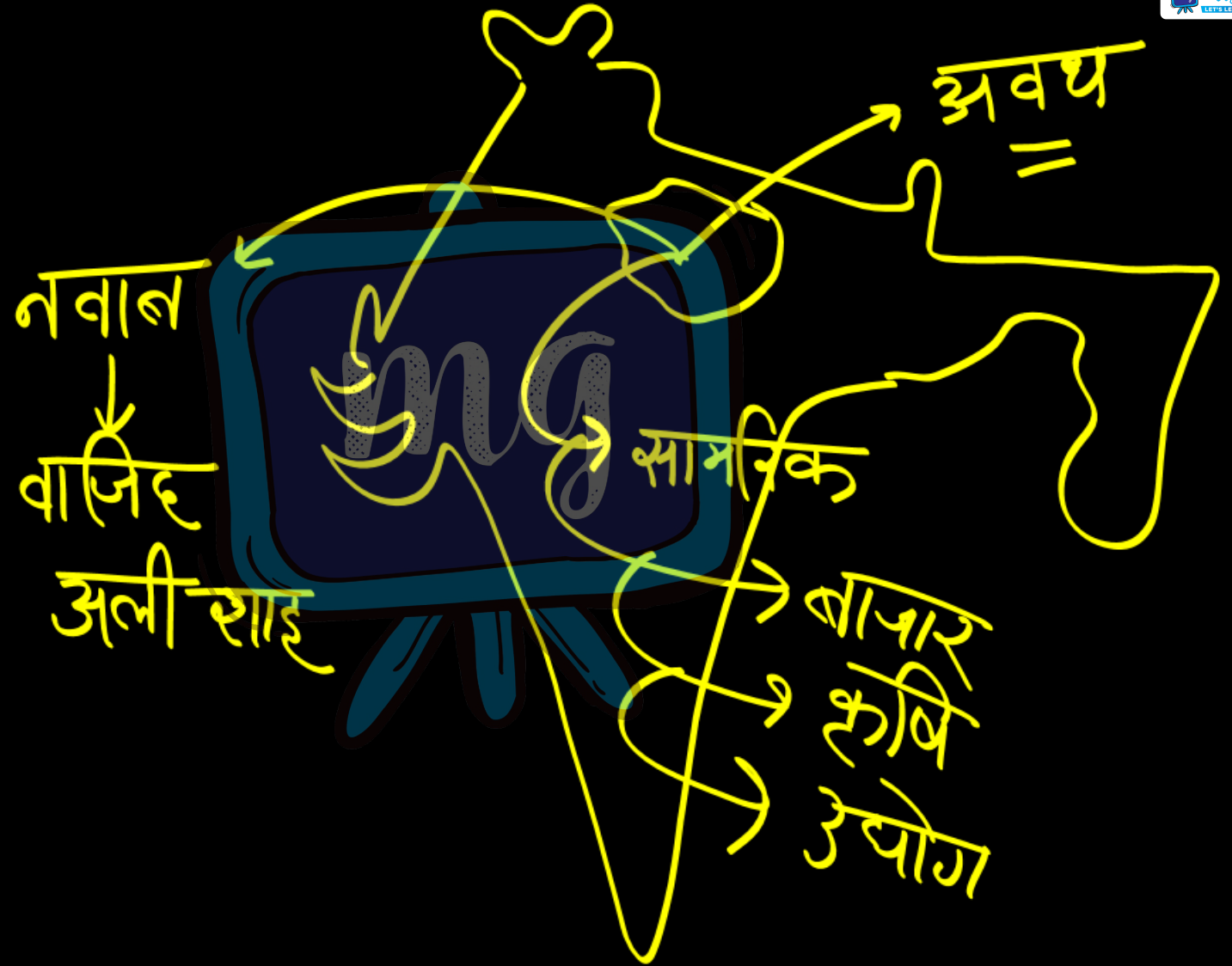
लोग अफवाहों में विश्वास क्यों कर रहे थे ?

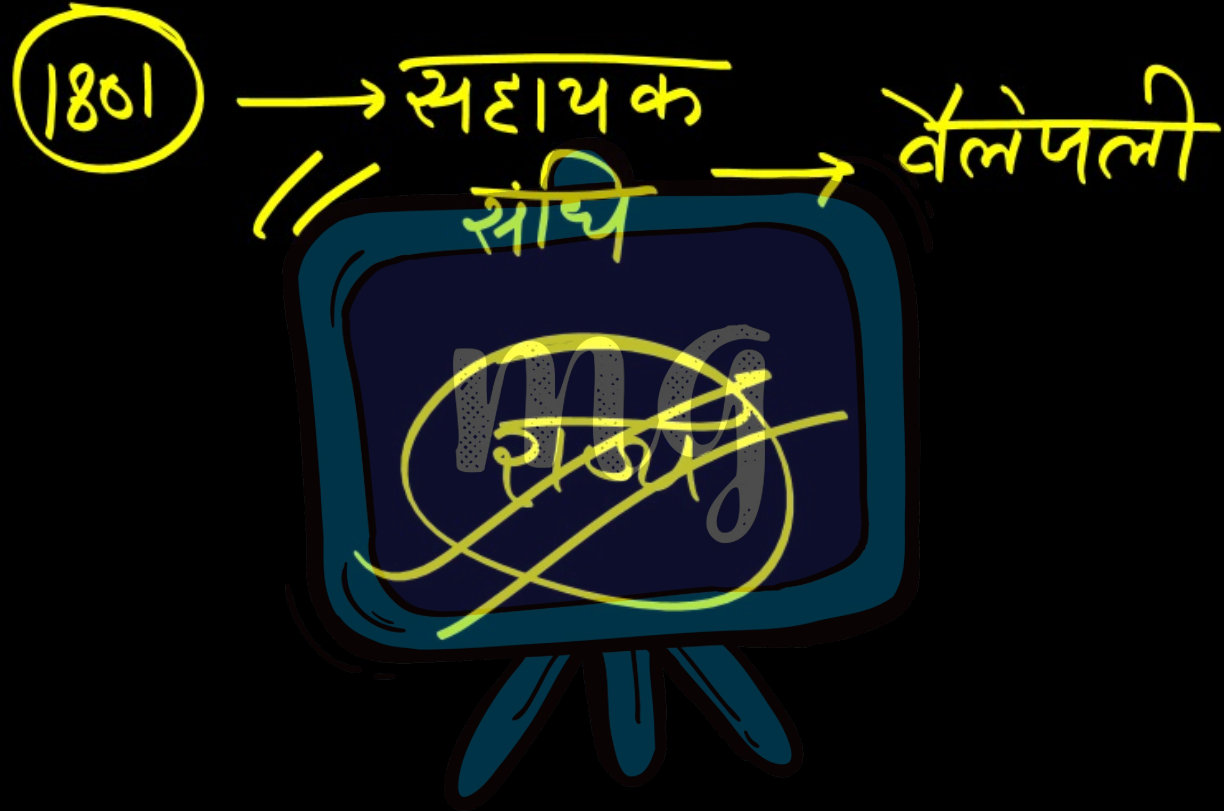
अफवाह तभी फैलती है जब उसमें लोगों के जहन में गहरे दबे डर और संदेह की गुंज सुनायी देती है। लोगों के पास अफवाहों पर विश्वास करने का आधार था :

1. 1813 ईस्वी में ईसाई मिशनरियों को भारत में ईसाई धर्म का प्रचार करने की खुली छूट दे दी गयी।
2. 1856 ई. में लॉर्ड कैनिंग के द्वारा लागू "सामान्य सेना भर्ती अधिनियम"।
3. लॉर्ड डलहौजी द्वारा लागू "धार्मिक नियोग्यता अधिनियम 1850" - ईसाई धर्म ग्रहण करने वाले व्यक्ति को पैतृक सम्पत्ति में अधिकार दिया गया।

4. 1829 - सती प्रथा को खत्म किया गया - लॉर्ड विलियम बैंटिक के द्वारा।
5. 1856 - विधवा विवाह को मान्यता दी गयी।
6. लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़प नीति।







2.

अवध मे विद्रोह

Pg 266

1801- सहायक संधि

अवध क्यों ?

- 1) कमजोर नवाब ✓
- 2) बाजार ✓
- 3) नील-कपास ✓
स्वेती



नवाब
कमजोर
पडने
लगा
गया



अवध
का
अधिग्रहण



अवध की कहानी -

✍ 1801 ई. में लॉर्ड वेलेजली के द्वारा अवध के नवाब से सहायक संधि की गयी।

संधि की शर्तें :-

1. नवाब अपनी सेना खत्म कर दें।
 2. रियासत में अंग्रेज टुकड़ियों की तैनाती की इजाजत दे।
 3. राज दरबार में एक ब्रिटिश रेजीडेंट की नियुक्ति की जाये और नवाब उसी की सलाह पर काम करें।
- ✍ नवाब सैनिक ताकत से वंचित हो जाने के बाद दिनोदिन अंग्रेजों पर निर्भर होते गये।

✂ अवध सम्पन्न रियासत थी।

✂ लॉर्ड डलहौजी : “ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुंह में आकर गिरेगा।”

✂ 1856 में लॉर्ड डलहौजी के द्वारा अवध का अधिग्रहण कर लिया गया।

✂ नवाब : वाजिद अलीशाह पर कुशासन का आरोप लगाया गया।

अवध x → ताल्लुकदार सत्ता छिन गई
नवाब

कैसे?

- इनकी सेनाहें अंग
- ब्रिटिश भुराजस्व नीति लागू

नतीजा →

सामाजिक व्यवस्था
अंग

किसान दुरबी

फौजी बैरकों

(अवध से सबसे
ज्यादा सेनिक)

सैनिक में असंतोष

1. कम वेतन
2. वक्त पर छुट्टी नहीं मिलना
3. अंग्रेजी अफसरों में श्रेष्ठता का भाव - नस्ल भेद
4. गाली मारोच
5. मार पीट